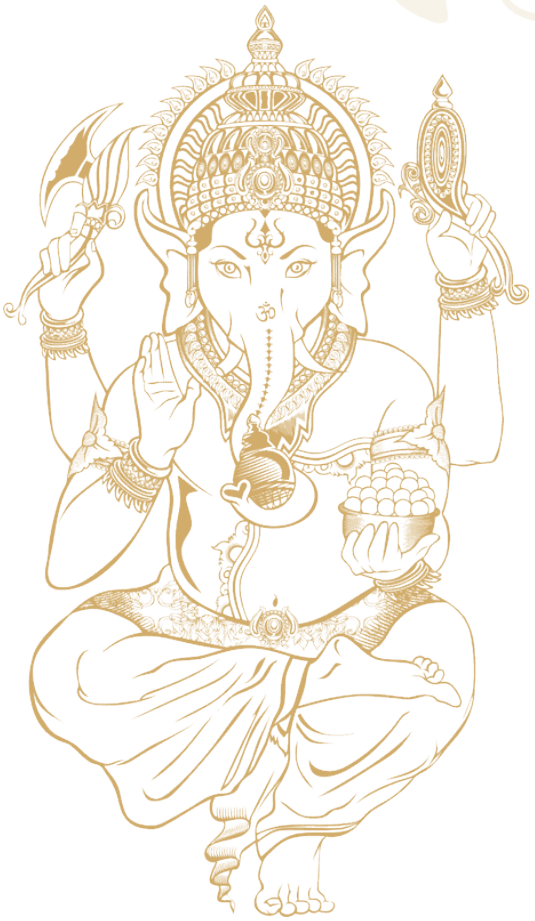

Vandita

01 Jun 1996

01:30 PM

Doda

Model: web-freekundliweb

Order No: 121434808

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**01/06/1996**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**13:30:00 घंटे**
इष्ट	20:25:42 घटी
स्थान	**Doda**
राज्य	Jammu and Kashmi
देश	India

अक्षांश	33:09:00 उत्तर
रेखांश	75:36:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:27:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:02:24 घंटे
वेलान्तर	00:02:11 घंटे
साम्पातिक काल	05:42:44 घंटे
सूर्योदय	05:19:43 घंटे
सूर्यास्त	19:31:27 घंटे
दिनमान	14:11:44 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	17:17:45 वृष
लग्न के अंश	02:31:37 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 2**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	सिद्ध
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नी-निष्ठा
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	02:31:37	306:32:38	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	---
सूर्य			वृष	17:17:45	00:57:28	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	09:59:58	14:34:40	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	नीच राशि
मंगल			मेष	28:03:37	00:43:34	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	स्वराशि
बुध			मेष	26:36:39	00:20:17	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	केतु	सम राशि
गुरु	व		धनु	22:40:26	00:04:55	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	स्वराशि
शुक्र	व		मिथु	01:35:24	00:28:01	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	मित्र राशि
शनि			मीन	11:45:25	00:04:26	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	सम राशि
राहु	व		कन्या	21:56:51	00:07:11	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	21:56:51	00:07:11	रेवती	2	27	गुरु	बुध	सूर्य	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मक	10:33:11	00:01:07	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
नेप	व		मक	03:39:54	00:00:59	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	07:39:58	00:01:37	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	---
दशम भाव			मिथु	02:13:55	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:29

लग्न-चलित

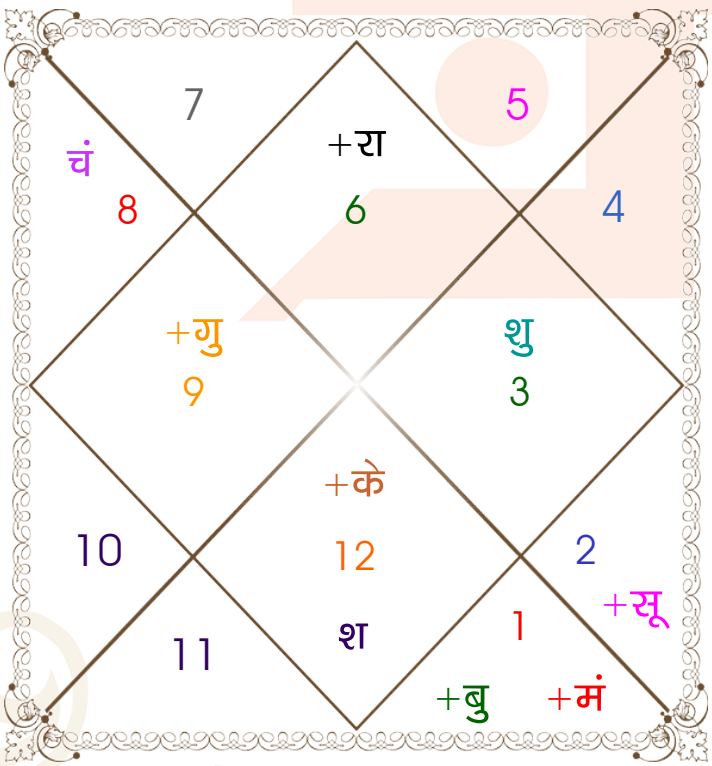

चन्द्र कुंडली

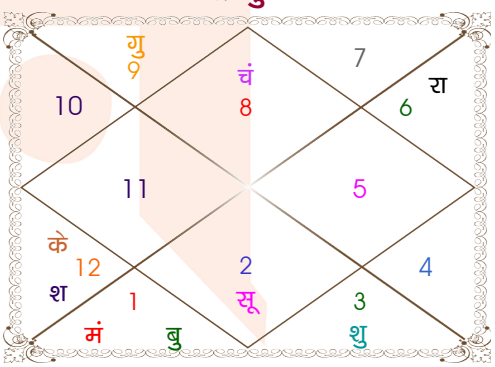

नवमांश कुंडली

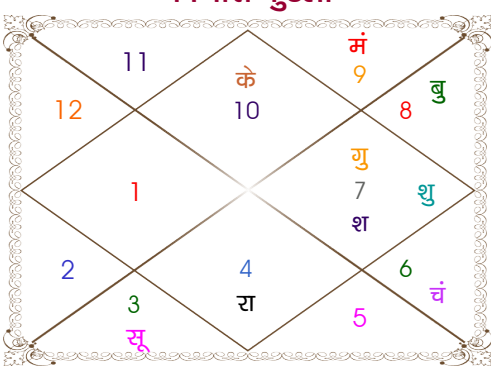

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 9 वर्ष 6 मास 0 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
01/06/1996		01/12/2005		02/12/2022		01/12/2029		01/12/2049	
01/12/2005		02/12/2022		01/12/2029		01/12/2049		02/12/2055	
	00/00/0000	बुध	29/04/2008	केतु	30/04/2023	शुक्र	02/04/2033	सूर्य	21/03/2050
	00/00/0000	केतु	26/04/2009	शुक्र	29/06/2024	सूर्य	02/04/2034	चंद्र	19/09/2050
	01/06/1996	शुक्र	25/02/2012	सूर्य	04/11/2024	चंद्र	02/12/2035	मंगल	25/01/2051
शुक्र	22/11/1996	सूर्य	31/12/2012	चंद्र	05/06/2025	मंगल	31/01/2037	राहु	20/12/2051
सूर्य	04/11/1997	चंद्र	02/06/2014	मंगल	01/11/2025	राहु	01/02/2040	गुरु	07/10/2052
चंद्र	05/06/1999	मंगल	30/05/2015	राहु	19/11/2026	गुरु	02/10/2042	शनि	19/09/2053
मंगल	14/07/2000	राहु	16/12/2017	गुरु	26/10/2027	शनि	01/12/2045	बुध	27/07/2054
राहु	21/05/2003	गुरु	23/03/2020	शनि	04/12/2028	बुध	01/10/2048	केतु	02/12/2054
गुरु	01/12/2005	शनि	02/12/2022	बुध	01/12/2029	केतु	01/12/2049	शुक्र	02/12/2055

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
02/12/2055		01/12/2065		01/12/2072		02/12/2090		03/12/2106	
01/12/2065		01/12/2072		02/12/2090		03/12/2106		00/00/0000	
चंद्र	01/10/2056	मंगल	29/04/2066	राहु	14/08/2075	गुरु	19/01/2093	शनि	05/12/2109
मंगल	02/05/2057	राहु	18/05/2067	गुरु	07/01/2078	शनि	02/08/2095	बुध	14/08/2112
राहु	01/11/2058	गुरु	23/04/2068	शनि	13/11/2080	बुध	07/11/2097	केतु	23/09/2113
गुरु	02/03/2060	शनि	02/06/2069	बुध	02/06/2083	केतु	14/10/2098	शुक्र	02/06/2116
शनि	01/10/2061	बुध	30/05/2070	केतु	20/06/2084	शुक्र	15/06/2101		00/00/0000
बुध	03/03/2063	केतु	26/10/2070	शुक्र	20/06/2087	सूर्य	03/04/2102		00/00/0000
केतु	02/10/2063	शुक्र	26/12/2071	सूर्य	14/05/2088	चंद्र	03/08/2103		00/00/0000
शुक्र	02/06/2065	सूर्य	02/05/2072	चंद्र	13/11/2089	मंगल	09/07/2104		00/00/0000
सूर्य	01/12/2065	चंद्र	01/12/2072	मंगल	02/12/2090	राहु	03/12/2106		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 9 वर्ष 5 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश के साथ-साथ कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इन संयोजनों की आकृति आपके जीवन के प्रौढ़ावस्था तक हृष्ट पुष्ट शरीर से ज्यादा आनन्दप्रद परिवेश की स्थापना करता है।

परंतु आप यह अंगीकृत नहीं करती कि स्वास्थ्य ही सर्वोतम धन है। आप अत्यंत ही धनलोलुप हो एवं सदैव ही अत्यधिक धन प्राप्त करना चाहती हो। आप इस निर्देशन का अनुभव करती है कि आपकी छोटी सी महत्वकांक्षा अंतिम क्षण तक अवश्य ही पूर्ण होगी। किंतु आपके दिमाग में एक महत्वपूर्ण धारणा यह है कि आपका भविष्य ग्रहों के प्रभाव से निश्चय ही वर्त्तमान स्थिति को उन्नति पूर्ण एवं परिवर्तनशील बनायेगा। अस्तु आप अनिवार्य रूप से निरूत्साहित नही है। आपके जीवन में अनेकों वार उत्थानपतन के अनुभव प्राप्त हुए हैं परंतु आप सभी खेल व्यवसाय की वस्तु स्थिति का मूल्यांकन कर चुकी हैं। बल्कि आप अपने मस्तिष्क को इस प्रकार व्यवस्थित कर लो कि उपयुक्त समय आने पर अकस्मात् मात्र गर्त्त से ऊपर हो कर उन्नति का अनुभव कर सकेंगी और आप मुश्किल से किसी प्रकार जीवन निर्वाह करना स्वीकार करेंगी। आप अस्थिर बुद्धि की महिला हैं। आप एकाग्रता पूर्वक अपने संबंधित विषय वस्तुओं को परिवर्तित या स्थानांतरित करेंगी। आपको सर्वप्रथम गंभीरता पूर्वक निर्णय लेना होगा कि किस प्रकार इस विधान को अंगीकृत किया जाए। आपके लिए प्रथम दृष्टिकोण ही उत्तम निर्णय प्रमाणित होगा।

सीधी लम्बे आकृति की तिरछी भौंहों से युक्त आपके व्यक्तिगत स्वरूप का प्रदर्शन कराता हैं। बल्कि आप कार्य में अग्रसर रहती हैं, परंतु आप अड़ियल प्रवृति की अंहकार से युक्त प्राणी है। आप सदैव ही दूसरों के समक्ष असत्यवादी एवं निम्न स्तरीय प्रमाणित होती हैं। अन्ततोगत्वा आप अति कुशाग्रबुद्धि की महिला हैं। आप अन्य व्यक्तियों के स्तर का अपने को भी स्वीकृत करती हो। आप अपनी अंतहीन आलोचना होते देखती हो तो अधीरता पूर्वक इसे सहन नहीं कर पाती हो। जिसकी वजह से आप बहुत लोगों की ओर से अपने को विमुख कर लेती हो।

आपको अपने अधीनस्थ कार्यरत व्यक्तियों से तथा अपने कतिपय मित्रों से सतर्क रहना होगा। क्योंकि ये लोग आपके जीवन के गुप्त विषय को जानकर आपकी छवि एवं आपके व्यक्तित्व को धूमिल करने के लिए अथक परिश्रम कर सकते हैं। कुछ व्यक्ति आपके साथ वाद-विवाद करके आपके विरूद्ध समाज में आपको नग्न कर सकते हैं। अतः उत्तम तो यह है कि आप किसी भी प्रकार की संभावित घटनाओं के प्रति सतर्क रहें तथा किसी भी प्रकार के मित्र अथवा नौकरों के चयन हेतु आपको किसी के भी स्वभाव, प्रकृति की जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए। आप मिथुन लग्न राशि के कार्य व्यवसाय के समान ही अपना कार्य व्यवसाय भी निश्चित कर सकती हैं। आप अपने कार्य व्यवसाय के अन्तर्गत शेयर ब्रॉकर, एकाउन्टेन्सी, वकालत, अभियंत्रिकी कार्य के साथ-साथ रसायनिक, व्यवसायिक, फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स, शैक्षणिक एवं पराविद्या से संबंधित ज्योतिष, ध्यान, योगादि कार्य कर सकती हैं। यदि आपमें

कुशाग्र बुद्धिमत्ता हो तथा बाद संवाद अर्थात् पत्रकारिता संबंधित कार्य अच्छा लगे तो आप एकाग्रता पूर्वक एक अच्छे क्षेत्रीय स्तर की नेता हो सकती हैं।

सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु वृद्धावस्था के कारण आपमें मतखिन्नता (पागलपन) जैसी प्रवृति हो सकती है। क्योंकि आप में अति मद्यपान की आदत पाई जाती है। अतएव आप किसी भी प्रकार की नशा आदि से खासकर मद्यपान से परहेज करें। आप अतिरिक्त खाद्य-पदार्थों में निरामिष भोजनादि ग्रहण करें ताकि आपकी पाचन शक्ति एवं नस संबंधी शक्ति में क्षीणता न आ सके। अन्यथा आपके पेट की गड़बड़ी से दस्तरोग तथा पीठ में दर्द की आशंका उत्पन्न हो सकती है। संप्रति आपको निरंतर छोटे मोटे रोग चोट की आशंका बनती है। अस्तु आपको सावधानी पूर्वक वाहन संचालन करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल एवं भाग्यशाली प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं। अतः इस का त्याग करें।

आपके लिए रंगों में सफेद हरा, पीला, एवं सुग्गापंखी रंग अनुकूल है। परंतु नीला, लाल, एवं काला रंग सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।